गाज़ी ख़ान बरना
अकादेमी पुरस्कारः लोकसंगीत – खड़ताल (राजस्थान)

GAZI KHAN BARNA
Akademi Award: Folk Music – Khartal (Rajasthan)

Born on 12 September 1968 in Barna village of Jaisalmer district of Rajasthan, Shri Gazi Khan Barna imbibed the rich artistic heritage of the Manganiyar tradition of folk music of Rajasthan. He received his initial training in music from his father Shri Chhugga Khan Barna, and later was groomed under the guidance of Shri Komal Kothari and Shri Sadiq Khan.

Shri Gazi Khan Barna soon achieved prominence as a percussionist of Khartal, performing in many prestigious music festivals in India and abroad, and conducting many workshops around the world. He also has a rich repertoire of folk songs, bhajans, as well as Sufiana songs in Sindhi, and can play folk music instruments like the Dholak with dexterity. He has given innumerable performances within the country, and has collaborated with many internationally acclaimed musicians like Ravi Shankar, Zubin Mehta, Zakir Hussain, Kumar Bose and Vishwamohan Bhatt.

For his contribution in the field of folk arts, Shri Gazi Khan Barna has been honoured with several awards including the Rajasthan Sangeet Natak Akademi Award in 2002; the Marudhara Ratan in 2003 conferred by Marudhara Sansthan, Kolkata; the Marwar Ratan in 2019 conferred by Mehrangarh Museum Trust, Jodhpur; and the Pt. Manmohan Bhatt Lifetime Achievement Award in 2019 conferred by Sangeet Kala Niketan, Jaipur.

Shri Gazi Khan Barna receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for his contribution to the folk music of Rajasthan.

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

राजस्थान के जैसलमेर जिले के बरना गाँव में 12 सितंबर 1968 को जन्मे श्री गाज़ी ख़ान बरना ने राजस्थानी लोक संगीत की मांगणियार परंपरा की समृद्ध कलात्मक विरासत को आत्मसात किया है। आपने संगीत में अपना प्रारंभिक प्रशिक्षण अपने पिता श्री छुग्गा खान बरना से प्राप्त किया, और बाद में श्री कोमल कोठारी और श्री सादिक़ खान के मार्गदर्शन में अपनी कला को निखारा।

श्री गाज़ी खान बरना ने देश-विदेश में आयोजित विभिन्न प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दीं और कार्यशालाओं का आयोजन किया। आज उनकी प्रसिद्धी मंजे हुए खड़ताल वादक के रूप में है। आपके पास लोकगीतों, भजनों, के साथ ही सिंधी सूफियाना गीतों का समृद्ध भंडार है, और आप खड़ताल जितनी निपुणता के साथ ही ढोलक जैसे लोकवाद्य भी बजा सकते हैं। आपने रविशंकर, ज़ुबिन मेहता, जाकिर हुसैन, कुमार बोस और विश्वमोहन भट्ट जैसे कई अंतरराष्ट्रीय ख्याति के कलाकारों के साथ संगत की है।

लोक कला के क्षेत्र में योगदान के लिए श्री गाज़ी ख़ान बरना को 2002 में राजस्थान संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है; 2003 में कोलकाता के मरुधरा संस्थान द्वारा आपको मरुधरा रत्न से सम्मानित किया गया; 2019 में मेहरानगढ़ संग्रहालय ट्रस्ट, जोधपुर द्वारा मारवाड़ रत्न से सम्मानित किया गया; और 2019 में संगीत कला निकेतन, जयपुर द्वारा पं. मनमोहन भट्ट लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया था।

राजस्थानी लोक संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए श्री गाज़ी ख़ान बरना को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018